Jagat Vandya Ma

जगत्वन्द्य माँ

Hindi Bhajan Lyrics

Lyrics of this Hindi devotional song are courtesy the

Musical Team of the

The All World Gayatri Pariwar (awgp.org)

founded by

Pandit Shriram Sharma Acharya

Lyrics courtesy - The All World Gayatri Pariwar (awgp.org)

जगत्वन्द्य माँ

जगत्वन्द्य माँ, शक्ति दो साधना दो।

अचल अर्चना, दो अटल वन्दना दो॥

हमें भक्ति दो, सर्वदा प्रेम मण्डित।

हमें ज्योति दो वह, सदा जो अखण्डित।

न इच्छा रहे ना, बसे वासना माँ।

तुम्हीं में मगन मन, यही कामना दो॥॥

न हो हर्ष में, शोक में क्षुब्ध यह मन।

सतावें न सुख-दु:ख, कटें मोह बन्धन।

सभी यह तुम्हारा, तुम्हारे सभी हैं।

तुम्हीं सर्वमय हो, यही भावना दो॥

कभी काम की, कल्पना न कँपाये।

कभी क्रोध-प्रतिशोध, होकर न आये।

जले राग की, आग में मन न मेरा।

यही धारणा दो, यही भावना दो॥

विषय वासना, विष भरी है कटारी।

यही बुद्धि दे-दो, बनें सदाचारी।

मिले मान अपमान, पथ में तुम्हारे।

लगें सब परम प्रिय, यही धारणा दो॥

Lyrics courtesy - The All World Gayatri Pariwar (awgp.org)

मुक्तक :-

माँ गायत्री दीजिए, यह शाश्वत वरदान।

तीर बने मम साधना, सेवा, कर्म कमान।।